

क्र २

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ६१९/२० (६४०)

ग्रंथ नाम गजानन स्तोत्र

विषय स्तो. स्तु. श्रुपाक्या



॥ हेदया ॥ १४ ॥ माउलिप ॥ विंधुसोहरा ॥ हस्ती आपुला ॥
 ॥ श्वयेस्वरा ॥ शरणासुबुळाविघ्नभजना ॥ हेदया ॥ १५ ॥
 ॥ कायकापरसाधनेकरु ॥ मिअसेतुसेमुखलेकरु ॥ विठेवि
 ॥ तीमळाहेतभावना ॥ हेदया ॥ १६ ॥ ज्ञापवीतोतुसादासया
 ॥ जनी ॥ सकळव्यापकांजाण सीमनी ॥ श्रुतिमुक्तीदिप्रक्त
 ॥ पाकणा ॥ हे ॥ १७ ॥ अनाथबंधुहेब्रीद ॥ अपुळे ॥ सासतुक
 ॥ गरीदाविपाउळे ॥ मेगळालयाविश्वजीवना ॥ हे ॥ १८ ॥ प्रभु
 ॥ समर्थतुंअमुचेसुरी ॥ वेष्टिलेअसेविषयपामरी ॥ अपु
 ॥ विहेथिरेवाटनेमना ॥ हेदया ॥ १९ ॥ शिनायकरुशिवाटण

॥ हाता ॥ नयनरिजलेजाणतत्वता ॥ प्रेडसंक्छिभ्रमानि
 ॥ वारणा ॥ हे ॥ २० ॥ नासिबतेरेसर्वसंपदा ॥ हेनकोमळापाव
 ॥ येकदा ॥ सिधिवल्लभासुखकासना ॥ हे ॥ २१ ॥ शिविलु
 ॥ व्यर्थरेतुजवेगळे ॥ जन्माआलियाकायसाधिले ॥ नसो
 ॥ वेमळामोहयातना ॥ हेदया ॥ २२ ॥ शिश्यचिंतुनीशोक
 ॥ पावळे ॥ देहेबुधीनेव्यर्थगुतळे ॥ भाळवर्जतोडिबळना
 ॥ हेदया ॥ २३ ॥ फारसेमळाबळतानये ॥ सळगम्यातुसीदेस
 ॥ लिस्वये ॥ मांडिलीअसेद्वारवळना ॥ हेदया ॥ २४ ॥ जातसे
 ॥ घुडीपळयुगावरि ॥ जागळितुसीखंतुअतरी ॥ स्वाशिया
 ॥ मळावियोगसहिनाहेद ॥ २५ ॥ कळेतेकरिविनवणेकि
 ॥ तारिअथवामारिगणपनी ॥ सकळदोषसंकळनाशना ॥ हे
 ॥ देया ॥ २६ ॥ अंततअहयातुपरात्परा ॥ नेपावेविधीहेहर्
 ॥ हरा ॥ अचळनिर्मळानित्यनिर्गणा ॥ हेदया ॥ २७ ॥ आवड
 ॥ मंळाविभ्रमाकृति ॥ पुजुनियावरिकरिनआंरति ॥ धाव
 ॥ धरपरेमोरकासना ॥ हेदया ॥ २८ ॥ हृदयकठितुनकरिस
 ॥ वंदा ॥ अंतअमुचानपाहेकरु ॥ सिध्वीवल्लभाअरीमदना
 ॥ हेदया ॥ २९ ॥ कल्पवृक्षतुकामधेनुवा ॥ लाविसेवनीजीव
 ॥ जोजिवा ॥ हाविहेतरेशेषभुषणा ॥ हेदया ॥ ३० ॥ नारीमा
 ॥ रियारुखसागरि ॥ गोसाविनरदनप्रार्थनाकरी ॥ असयानि

(2)

नंदविघ्नना ॥ हेदया निधेश्रीगजानना ॥ २९ ॥ ॥ ५ ॥

॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

नावानेस -





मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com